भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 990
उत्तर देने की तारीख 26.07.2021

व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रमों की प्रासंगिकता

990 श्री गोपाल शेट्टी:

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वर्तमान शिक्षा प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम अपनी प्रासंगिकता खो रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या नीति आयोग ने ऐसे पाठ्यक्रमों के प्रभाव के संबंध में व्यापक अध्ययन करने की सिफारिश की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या नीति आयोग को सौंपी गई रिपोर्ट में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा लागू किए गए ऐसे पाठ्यक्रमों में शिक्षा की खराब गुणवत्ता को स्पष्ट रूप से इंगित किया गया है, जिसके कारण छात्रों को इससे लाभ नहीं मिल रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) सरकार द्वारा ऐसे सभी पाठ्यक्रमों के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
शिक्षा मंत्री
(श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) जी, नहीं। व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम अपनी प्रासंगिकता नहीं खो रहे हैं बल्कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का महत्व और अधिक बढ़ रहा है क्योंकि इन पाठ्यक्रमों से छात्र व्यावसायिक कौशल सीखने और ऑन-जॉब-प्रशिक्षण के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर पाते हैं जिससे उनकी नियोजनीयता में वृद्धि होती है।

(ख) और (ग): जी, नहीं।

(घ) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 ने व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को सभी स्कूल और उच्चतर शिक्षा संस्थानों में एकीकृत करके पुन: सुदृढ़ करने पर फोकस किया है। इस संबंध में, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने अगस्त 2020 में सामान्य स्ट्रीम में अध्येतावृत्ति/प्रशिक्षुता एम्बेडेड अवर स्नातक (यूजी) कार्यक्रम के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। कौशल कार्यक्रमों के प्रत्येक सत्र/वर्ष में पाठ्यक्रम में सामान्य शिक्षा और कौशल विकास घटकों का उपयुक्त मिश्रण है। इसमें प्रयोगशालाओं/कार्यशालाओं में व्यावहारिक कक्षाएं, इंटर्नशिप, प्रशिक्षुता और अन्य प्रकार का व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल हैं।

*****